

**निरीश्वरता** स्त्री. (तद्.) ईश्वर के न मानने का भाव, नास्तिकता।

**निरीश्वरवाद** पुं. (तत्.) वह सिद्धांत जिसमें ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार न किया जाता हो।

**निरीह** वि. (तत्.) 1. जिसे कोई अभिलाषा, इच्छा या वासना न हो, विरक्त, उदासीन, निरपेक्ष 2. सीधा-सादा और निर्दोष 3. जो क्रियाशील न हो 4. बेचारा 5. चुपचाप पड़ा रहने वाला।

**निरुक्त** वि. (तत्.) 1. निश्चित रूप से कहा या बताया गया, निर्वचन किया हुआ, व्याख्या किया हुआ 2. निश्चित 3. संस्कृत में छह वेदांगों में एक 4. निघंटु की यास्क मुनि विरचित व्याख्या। etymology

**निरुक्ति** स्त्री. (तत्.) 1. इस बात का विवेचन कि कोई शब्द मूलतः किस भाषा का था और वर्तमान रूप से पहले उमरों क्या क्या बदलाव हुए, किसी पद या वाक्य का व्युत्पत्ति सहित संपूर्ण विवेचन, शब्द की व्युत्पत्ति सहित व्याख्या।

**निरुक्तिकार** पुं. (तत्.) निरुक्ति या परिभाषा देने वाला, निर्वचन करने वाला।

**निरुच्छवास** वि. (तत्.) 1. श्वास रहित, जो साँस अर्थात् श्वास न ले रहा हो 2. जहाँ साँस लेने में कठिनाई हो, तंग, सँकरा स्थान जहाँ दम घुटने लगे।

**निरुत्तर** वि. (तत्.) 1. जो उत्तर न दे सके 2. जिसका उत्तर न दिया गया हो 3. जिसका कोई उत्तर न हो, उत्तर रहित 4. चुप 5. जिससे श्रेष्ठ या बड़ा कोई और न हो, लाजवाब।

**निरुत्सव** वि. (तत्.) 1. बिना उत्सवों का (कार्यक्रम इत्यादि) 2. जहाँ उत्सव न होते हो।

**निरुत्साह** वि. (तत्.) 1. जिसमें उत्साह न हो, उत्साही हीन, स्फूर्ति रहित 2. जिसमें उत्साह समाप्त या कम हो गया हो पुं. 1. उत्साह का अभाव 2. आलस्य।

**निरुत्साहन** पुं. (तत्.) किसी का उत्साह कम या समाप्त कर देना।

**निरुत्साहित** वि. (तत्.) दे. निरुत्साह।

**निरुत्सुक** वि. (तत्.) जिसमें किसी बात की उत्सुकता न हो।

**निरुत्सुकता** स्त्री. (तद्.) उत्सुकता का न होना।

**निरुद्देश्य** वि. (तत्.) बिना उद्देश्य वाला क्रि.वि. बिना किसी उद्देश्य के, यों ही।

**निरुद्ध** वि. (तत्.) 1. जिसका निरोध किया गया हो, रुका हुआ, रोका हुआ, बंधन में पड़ा हुआ 2. पुं. योग में वर्णित पाँच मनोवृत्तियों में से एक।

**निरुद्ध खाता** पुं. (तत्.+देश.) वाणि. ऐसा खाता जो कुछ कारणों से ग्राहक द्वारा संचालित नहीं किया जा सकता हो।

**निरुद्ध पूँजी** स्त्री. (तत्.+तद्.) वह रकम जिसका सार्थक उपयोग नहीं हो पा रहा है।

**निरुद्ध स्फीति** स्त्री. (तत्.+तत्.) वाणि. कीमतों की अस्वाभाविक या कृत्रिम रूप से हो रही बढ़त को रोकने की क्रिया। supressed inflation

**निरुद्धावस्था** स्त्री. (तत्.) योग. चित्त की पाँच अवस्थाओं में अंतिम अवस्था जब वह अपनी करणीभूत प्रकृति को प्राप्त होकर निश्चेष्ट हो जाता है वि. चित्त की अन्य चार अवस्थाएँ हैं- क्षिप्त, मूढ, विक्षिप्त एवं एकाग्र।

**निरुद्यम** वि. (तत्.) 1. जिसके हाथ में कोई उद्यम या काम न हो, बेरोजगार, बेकार।

**निरुद्योग** वि. (तत्.) निकम्मा, जो प्रयत्नशील न हो।

**निरुद्योगी** वि. (तत्.) जो कोई कामकाज न करता हो।

**निरुद्वेग** वि. (तत्.) जिस के हृदय में उद्वेग न उठते हों, उद्वेग रहित, जिसमें उत्तेजना और क्षोभ न हों, शांत, निश्चिंत।

**निरुपक्रम** वि. (तत्.) उपक्रम से रहित।